पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने जनपद गोरखपुर में 'एक पेड़ माँ के नाम' वृक्षारोपण महायज्ञ के अन्तर्गत रामगढ़ताल के समीप मौलश्री पौधे का रोपण किया

आज प्रदेश में 35 करोड़ से अधिक पौधे रोपित करने का लक्ष्य, इनमें औषधि, फलदार, छायादार तथा इमारती लकड़ियों के पौधे सम्मिलित : मुख्यमंत्री

विगत 09 वर्षों में प्रदेश में 242 करोड़ से अधिक पौधरोपण, इस वर्ष प्रदेश में 05 जून को 05 करोड़ से अधिक पौधे लगाये गये

आज यहाँ पौधे द्वारा कार्बन शोषण के आधार पर कार्बन क्रेडिट के अन्तर्गत कुछ लाभार्थियों को धनराशि उपलब्ध करायी गयी

प्रदेश ने भौतिक विकास के साथ–साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम उठाते हुए वनाच्छादन को विस्तार देने में सफलता प्राप्त की

प्रदेश के सभी नागरिक इस अभियान का हिस्सा बनें, पौधरोपण करते हुए, उसकी देखभाल करें एवं धरती माता की आरोग्यता की रक्षा करें

लखनऊ : 12 जुलाई, 2026

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि आज सम्पूर्ण प्रदेश में 'एक पेड़ माँ के नाम' वृक्षारोपण महायज्ञ का शुभारम्भ किया जा रहा है। यह धरती माता के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर है। प्रदेश के प्रत्येक जनपद, गांव, नगर तथा वॉर्ड में नागरिक इस आयोजन से जुड़ रहे हैं। आज 35 करोड़ से अधिक पौधे रोपित करने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें औषधि, फलदार, छायादार तथा इमारती लकड़ियों के पौधे सम्मिलित हैं। गोरखपुर में लिंक एक्सप्रेस–वे के किनारे 15 हजार से अधिक पौधों का रोपण किया गया है। विगत 09 वर्षों में प्रदेश में 242 करोड़ से अधिक पौधरोपण किया गया है। इस वर्ष प्रदेश में 05 जून को 05 करोड़ से अधिक पौधे लगाये गये।

मुख्यमंत्री जी आज जनपद गोरखपुर में 'एक पेड़ माँ के नाम' वृक्षारोपण महायज्ञ–2026 के शुभारम्भ के अवसर पर रामगढ़ताल के समीप मौलश्री पौधे का रोपण करने के पश्चात आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज यहाँ पौधे द्वारा कार्बन शोषण के आधार पर कार्बन क्रेडिट के अन्तर्गत कुछ लाभार्थियों को धनराशि उपलब्ध करायी गयी है। विगत 09 वर्षों में प्रदेश के इन्फ्रास्ट्रक्चर में भारी वृद्धि हुई है। राज्य में एक्सप्रेस–वे व सड़कों का जाल बिछाया गया, नये–नये उद्योग लगाये गये तथा शहरीकरण के क्रम में अनेक कॉलोनियाँ विकसित की गयीं। उत्तर प्रदेश ने भौतिक विकास को गति देने में देश में स्वयं को सबसे अच्छे

राज्य के रूप में स्थापित किया है। प्रदेश ने भौतिक विकास के साथ–साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम उठाते हुए वनाच्छादन को विस्तार देने में सफलता प्राप्त की है। प्रदेश के सभी नागरिक इस अभियान का हिस्सा बनें। पौधरोपण करते हुए, उसकी देखभाल करें एवं धरती माता की आरोग्यता की रक्षा करें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि धरती माता हम सभी को अच्छा वातावरण, आगे बढ़ने का अवसर, पेट भरने के लिए अन्न व फल तथा पीने के लिए जल उपलब्ध कराती हैं। वह हमारे घर की लगभग सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करती हैं। भारतीय मनीषा ने कहा है कि 'माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः' अर्थात धरती हमारी माता हैं तथा हम सब उनके पुत्र हैं। पुत्र के रूप में धरती माता के प्रति दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रधानमंत्री जी ने प्रत्येक भारतवासी को 'एक पेड़ माँ के नाम' लगाने का मंत्र दिया है। यह हमारा राष्ट्रीय दायित्व है। आने वाली पीढ़ियों को बेहतर वातावरण प्रदान करना हमारा कर्तव्य है। हम सभी को इस पौधरोपण महाअभियान का हिस्सा बनना चाहिए। आज प्रदेश के प्रत्येक जनपद में मंत्रियों तथा अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में पौधरोपण का कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज पूरी दुनिया प्रकृति के साथ खिलवाड़ की कीमत चुका रही है। मौसम चक्र में बहुत परिवर्तन हो चुका है। कल से यहां जो बारिश हो रही है, वह 15 जून से प्रारम्भ हो जानी चाहिए थी, इसमें एक महीने का विलम्ब हुआ है। विलम्ब से बरसात होने के कारण कृषि कार्य में देरी होती है, जिससे उत्पादन में 15 से 30 प्रतिशत की कमी हो जाती है। पूरे विश्व में पेयजल संकट है। एक ओर बाढ़ तथा दूसरी ओर सूखे की स्थिति देखने को मिलती है। नदियाँ सदानीरा तभी रहेंगी जब वनावरण में वृद्धि होती रहेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अनेक कदम उठाए जा रहे हैं। पी0एम0 सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना इन्हीं कदमों का हिस्सा है। इस योजना के अन्तर्गत सोलर पैनल लगाए जा रहे हैं। इस पहल ने घर के बिजली बिल भार को आधा करने के साथ ही ग्रीन एनर्जी के नये स्रोत को उपलब्ध कराया है। प्लास्टिक के अनियंत्रित उपयोग की कीमत पूरी मानवता चुका रही है। हमें सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करते हुए प्लास्टिक मुक्त वातावरण बनाने में योगदान देना होगा।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, शासन–प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

————————————